जयपुर मेट्रो की विनम्र अपील

JAIPUR METRO

JAIPUR METRO

मेट्रो रेल मार्ग में पतंगबाजी जान लेवा

मेट्रो के मानसरोवर से चाँदपोल मार्ग में रेल संचालन 25000 वोल्ट बिजली के तारों द्वारा किया जाता है, जिनमें लगातार 24 घंटे करंट चालू रहता है। यह बिजली के तार मेट्रो रूट पर सड़क से करीब 30 मीटर ऊंचाई तक है। यदि पतंग का मांझा इन बिजली के तारों में उलझ जाये तो करंट इस मांझे से सीधे ही पतंग उडाने वाले तक पहुंच कर खतरनाक व जानलेवा साबित हो सकता है। पूर्व में भारतीय रेल, मेट्रो एवं बिजली कंपनियों के तारों में पतंगबाजी के कारण इस तरह की घटनाये हो चुकी है।

जिला कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त, जयपुर ने भी 31 जनवरी तक चाईनीज मेटेलिक मांझे के निर्माण, भंडारण, कय–विक्रय एवं उपयोग पर रोक लगाते हुए, अवहेलना करने वालो के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत पुलिस एवं कानूनी कार्यवाही का आदेश जारी किया है।

गत वर्ष मकर संक्राति की अवधि में चार बार जयपुर मेट्रो ट्रेनों के संचालन में रूकावट आई तथा बिजली के तारों से करीब 5000 पतंगो एवं काफी तादाद में इसके मांझो को हटाने में रात दिन मशक्कत करनी पड़ी, ताकि अगले दिन आपकी जयपुर मेट्रो का संचालन निर्बाध रूप से हो सके।

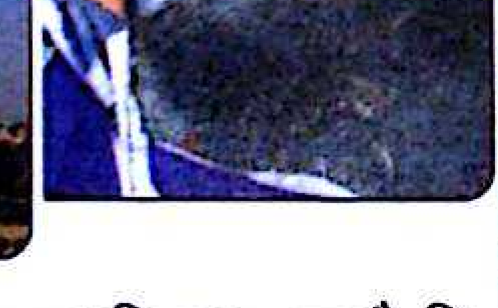

सभी नागरिकों को निवेदन करते हुए सजग किया जाता है कि मेट्रो रेल मार्ग के ऊपर पतंगबाजी से परहेज करे, इससे उनके जीवन को किसी नुकसान से रोकने के साथ ही पतंग व इसके मांझे के उलझने के कारण मेट्रो रेल संचालन को भी प्रभावित होने से रोका जा सकेगा।